# गणतंत्र दिवस

1. 26 जनवरी को प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है।
2. 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान पूर्ण रूप से लागू हुआ।
3. भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है।
4. 26 जनवरी के दिन ही भारत को गणराज्य का दर्जा प्राप्त हुआ।
5. गणतंत्र दिवस हमारे लिए स्वतंत्रता दिवस जितना ही महत्वपूर्ण है।
6. इस दिन दिल्ली में इंडिया गेट से राष्ट्रपति भवन तक परेड निकाली जाती है।
7. इस परेड में भारत की थलसेना, वायुसेना और नौसेना भाग लेते हैं।
8. इस अवसर पर भारत के राष्ट्रपति लालकिले से देश को सम्बोधित करते हैं।
9. इस पूरे आयोजन को भारत के राष्ट्रीय चैनल पर प्रसारित किया जाता है।
10. इस दिन वीर चक्र, परमवीर चक्र जैसे राष्ट्रीय सम्मान वितरित किये जाते हैं।

## 1. मेरा प्रिय खेल (क्रिकेट)

खेलकूद हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। हमारे यहाँ क्रिकेट, कबड्डी, फुटबाल, टेनिस, शतरंज जैसे अनेक खेल खेले जाते हैं। क्रिकेट मेरा सबसे प्रिय खेल है। इस खेल का प्रारंभ इंग्लैंड देश में हुआ था। धीरे-धीरे इस खेल का विकास कई देशों में हुआ। आज भारत, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका आदि प्रमुख देशों में क्रिकेट का खेल बहुत लोकप्रिय है। क्रिकेट की दो टीमें होती हैं। प्रत्येक टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं। जब एक टीम बल्लेबाज़ी करती है तो दूसरी टीम गेंदबाज़ी करती है। हर 4 वर्ष बाद विश्व कप का आयोजन होता है। वर्ष 2011 का विश्व कप भारत ने जीता है। सचिन तेंदुलकर, धोनी, युवराज आदि हमारे प्रमुख क्रिकेट खिलाड़ी हैं। हमें क्रिकेट खेलना और देखना बहुत अच्छा लगता है।

# अनुच्छेद लेखन

## अनुच्छेद - शिक्षक दिवस

**रुपरेखा** : शिक्षक दिवस का महत्व - शिक्षक दिवस का इतिहास - शिक्षक सम्मान

हर साल हम 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस या 'टीचर्स डे' मानते हैं। शिक्षक हमें न सिर्फ ज्ञान का प्रकाश देते हैं बल्कि अच्छे बुरे की पहचान करने की शिक्षा प्रदान कर हमारे मन के अन्धकार को भी दूर करते हैं। कसी भी राष्ट्र के निर्माण और उसकी संस्कृति की रक्षा करने में भी शिक्षक एक अहम भूमिका निभाते हैं।

इस दिन भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति बुद्धिजीवी सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन का जन्म हुआ था। वह स्वयं इस देश के एक महान शिक्षक थे। वैसे तो शिक्षक की उपासना सदियों पहले गुरुकुल से चली आ रही है, जब इसे गुरु पूर्णिमा के नाम से जाना जाता था।

शिक्षक समाज का निर्माता होता है। इनकी तुलना गुरु और देवता से भी की जा सकती है, जो हमेशा ही मानव कल्याण में लगे रहते थे। इस अवसर पर देश भर में सबसे योग्य और शिक्षा के प्रति समर्पित शिक्षकों को केंद्र सरकार विशेष रूप से सम्मानित करती हैं। यह सम्मान देकर हम अपने शिक्षकों का उनका मनोबल बढ़ाते हैं और उनकी भरपूर सराहना करते हैं।